

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दीन दयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

विषय.. दीन दयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवम राष्ट्रोन्नयन



दिनांक : 12 फरवरी –2024

प्रतिवेदन

दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ

निदेशक : प्रो०डॉ. संजय कुमार सिंह

उपनिदेशक : डॉ. दिनेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - **पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन**

दिनांक - 12 फरवरी, 2024

संयोजक
डॉ. संजय कुमार सिंह
निदेशक
पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष मेया जी
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संरदाक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रोफेसर सीमा सिंह
भा. फलस्पर्ति
आ. प्रेम राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक - पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में



॥ सरस्वती नः सुधामा मयस्करोतु ॥

स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन



पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस
के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान



प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सुस्वागतम्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन



॥ सरस्वती नः सुधामा मयस्करन् ॥

पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस
के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान



परम श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

सुरस्यागराम्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

पंजीकरण-प्रपत्र

पं० दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

दिनांक-12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

नाम.....

पद नाम.....

संस्था का नाम व पता.....

मोबाइल नंबर.....

ई-मेल.....

शोधपत्र का शीर्षक.....

सह लेखकों के नाम (यदि कोई हो).....

हस्ताक्षर



पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान

दिनांक-12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

शान्तिपुरम (सेक्टर-एफ), फाफामऊ, प्रयागराज - 211021

सेवा में,

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रोफेसर सीमा सिंह

मा. कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि एवं वक्ता

श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

पं० दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211021



पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक-12 फरवरी, 2024

समय- अपराह्न 01:00 बजे



संरक्षक

प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीय कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उप निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

सेक्टर -एफ , शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज

www.uprtou.ac.in

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 10 के द्वारा सन् 1999 में हुई। विगत 21 वर्षों से विश्वविद्यालय अनवरत रूप से समाज के शिक्षा से वंचित जनसमुदाय, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों तथा दूरदराज क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा की ज्योति का प्रकाश पहुँचाकर आम जनमानस में आशा एवं नवोत्साह का संचार कर रहा है। छात्र जहाँ, हम वहाँ, सबको शिक्षा सबको ज्ञान, सबका साथ सबका विकास, गुरुकुल से छात्र कुल के मंत्र को अपनी कार्यशैली में आत्मसात करते हुए उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय अपने 124 शैक्षणिक कार्यक्रमों, 1400 से अधिक अध्ययन केंद्र तथा 12 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का प्रदेशव्यापी प्रचार-प्रसार में अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रदेश व्यापी विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक गतिविधियों, कार्यक्रमों के सुगमतापूर्ण संचालन हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती प्रांगण की स्थापना की गई है। डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है अपने स्थापना काल से ही प्राचीन भारतीय परंपराओं के साथ समसामयिक नवीनतम कला-कौशल कलेवर से आच्छादित गुणवत्तापरक, रोजगारपरक, आत्मनिर्भरता की ओर उन्मुख उच्च शिक्षा प्रदान करके ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण परिष्कार सम्बर्द्धन हेतु कृत संकल्पित है, जो भविष्य में विषमतामुक्त, भयमुक्त, भाई-भतीजावाद रहित, समता, ममता, समरसता युक्त प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति दृढ़ समर्पित होकर एक नवीन सशक्त राष्ट्र का निर्माण करने में अपना श्रेष्ठतम समर्पण कर सके।

संगोष्ठी सह-व्याख्यान

आज प्राच्य जगत पश्चात्य जगत के मध्य में एक वैचारिक द्वन्द्व विद्यमान है विश्व के विकासशील राष्ट्र पाश्चात्य संस्कृति के अवयव भौतिकतावाद, पूँजीवाद, साम्यवाद के मकड़जाल में कराहते हुए एक वैकल्पिक मार्ग की खोज में हैं जहाँ पाश्चात्य विचारधारा से पोषित समाज मुक्त हो ऐसा कौन सा पथ है? यह पथ किस मूल अवधारणा पर आधारित हो? समाज का वैचारिक ताना-बाना एवं संरचना किन सिद्धांतों पर आधारित हो जहाँ समता, ममता, समरसता सम्पृक्त मानवता युक्त समाज हो, इसका एकमात्र विकल्प है तो वह भारतीय संस्कृति से उद्भूत एवं पं० दीन दयाल उपाध्याय जी द्वारा विकसित एकात्म मानववाद की विचार- धारा है। यही एकमात्र विचारधारा है जिस पर अग्रसर होकर “सर्वे भवन्तु सुखिनः” एवं “वसुधैव कुटुंबकम्” का लक्ष्य पाया जा सकता है। आज उदारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीकरण के युग में पं० दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा को आत्मसात किए बगैर मानव कल्याण की कल्पना कोरी है। पं० दीन दयाल उपाध्याय जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने विकेंद्रीकरण का विकल्प, अंत्योदय और अर्थायाम की संकल्पना

दिया। आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुकरण न केवल समुन्नत राष्ट्र एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर शान्ति एवं विकास का पथ भी प्रशस्त होगा। आज समस्त विश्व एकात्म मानववाद तथा मानवीय मूल्यों आप द्वारा स्थापित विचार पर ही अग्रसर हो रहा है

अतः यह आवश्यक है कि भारतीय जनमानस को पं० दीन दयाल उपाध्याय जी के जीवन के विभिन्न बहुआयामों से पूर्णतः अवगत कराया जाए, जिससे उनके व्यक्तित्व की विशिष्टताओं यथा अदम्य साहस, निर्भीकता एवं विपरीत परिस्थितियों में भी अभीष्ट समग्रता को प्राप्त करने की उत्कट इच्छा तथा पुरुषार्थ से जन समुदाय प्रेरणा ले सकें एवं अपने जीवन में भी उस को आत्मसात कर सकें। यह शोध पीठ परम पुनीत उद्देश्य को लेकर राष्ट्र हित के विभिन्न आवश्यक उपादानों को अपना सहयोग देने का प्रयास करने हेतु कृत संकल्पित है। इसी मन्तव्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, फाफामऊ, प्रयागराज में स्थापित पं० दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में पूर्व दार्शनिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक चिन्तक पं० दीन दयाल उपाध्याय जी की पुण्य तिथि दिनांक 11 फरवरी 2024 के अवसर के उपलक्ष्य में दिनांक 12 फरवरी, 2024 पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। उक्त कार्यक्रम का आयोजन उक्त तिथि पर अपराह्न 01:00 से किया जाएगा।

पंजीकरण व पंजीकरण शुल्क-

इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु पंजीकरण निःशुल्क है। समस्त प्रतिभागियों को पंजीकरण प्रारूप के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

आलेख/शोधपत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित मौलिक आलेख एवं शोध-पत्र आमन्त्रण की अंतिम तिथि 12 फरवरी 2024 है। हिन्दी में प्रपत्र के लिए Kuritdev 010 फॉण्ट साइज 14, लाईन स्पेसिंग 1.5 तथा अंग्रेजी में प्रपत्र के लिए Times New Roman, फाण्ट साइज 12, लाईन स्पेसिंग 1.5 में होना चाहिए। आलेख या शोध-पत्र अधिकतम 3000 शब्दों में होना चाहिए। गुणवत्ता की दृष्टि से चयनित आलेखों/शोध-पत्रों का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा ISBN सहित प्रोसीडिंग के रूप में किया जायेगा। आलेख/शोध पत्र ई-मेल के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। प्रपत्र प्रेषित करने हेतु ई-मेल pdduspuprtou@gmail.com है।

सम्पर्क सूत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित जानकारी हेतु ई-मेल : pdduspuprtou@gmail.com पर अथवा डॉ. संजय कुमार सिंह (मो.नं.-7525048007) डॉ. दिनेश सिंह (7525048013) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

आयोजन स्थल

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान से सम्बन्धित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में अवस्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित होगा।

सलाहकार समिति

1. प्रो० पी० पी० दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
2. प्रो० आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
3. प्रो० सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
4. प्रो० पी० के० स्टॉलिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा
5. प्रो० सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा
6. कर्नल विनय कुमार, कुल सचिव
7. श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक
8. श्री शशिभूषण सिंह तोमर, वित्त अधिकारी

आयोजन समिति

- | | |
|----------------------------|-----------------------------|
| • प्रो. पी.के. पाण्डेय | • डॉ० सी०के० सिंह |
| • प्रो. रुचि वाजपेयी | • डॉ. सुरेन्द्र कुमार |
| • प्रो. विनोद कुमार गुप्त | • डॉ० अभिषेक सिंह |
| • डॉ. रामजनम मौर्या | • डॉ० शिवेन्द्र प्रताप सिंह |
| • प्रो. श्रुति | • डॉ० रवीन्द्र प्रताप सिंह |
| • प्रो.जे.पी.यादव | • डॉ. सुभाष पाल |
| • प्रो. अजेन्द्र मलिक | • डॉ० धर्मवीर सिंह |
| • डॉ. मीरा पाल | • डॉ० दिनेश कुमार गुप्ता |
| • डॉ० आनन्दा नन्द त्रिपाठी | • डॉ० दीप शिखा श्रीवास्तव |
| • डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव | • श्री अमित कुमार सिंह |
| • डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी | • डॉ० यू०एन० तिवारी |
| • डॉ. जी.के.द्विवेदी | • श्री परविन्द कुमार वर्मा |
| • डॉ. सतीश चन्द्र जैसल | • डॉ० स्मिता अग्रवाल |
| • डॉ. सुनील कुमार | • डॉ० अब्दुल रहमान |
| • डॉ० त्रिविक्रम तिवारी | • श्री राजेश गौतम |
| • डॉ० साधना श्रीवास्तव | • डॉ० अमरेन्द्र यादव |
| • डॉ.मनोज कुमार बलवन्त | • डॉ० सुषमा चौहान |

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज
सेक्टर -एफ , शन्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज
www.uprtou.ac.in



उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं.दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024

आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
 उप निदेशक
 पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

संयोजक
डॉ. संजय कुमार सिंह
 निदेशक
 पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
 अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रोफेसर सीमा सिंह
 माननीय कुलपति
 उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक - पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में





दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण



पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक- 12 फरवरी, 2024
समय- अपराह्न 01:00 बजे



संरक्षक
प्रोफेसर सीमा सिंह
 माननीय कुलपति
 उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



मुख्य अतिथि
श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी
 अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार



संयोजक
डॉ. संजय कुमार सिंह
 निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ
 उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



आयोजन सचिव
डॉ. दिनेश सिंह
 उप निदेशक, पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ
 उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर
 30 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

30प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव एवं उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, डॉ० दिनेश सिंह



कार्यक्रम सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करते हुए असिस्टेन्ट प्रोफेसर (संविदा) डॉ० अनिकेत सिंह

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती



अतिथि स्वागत



माननीय अतिथिगणों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई विश्वविद्यालय की शिक्षिकायें





विषय प्रवर्तन
एवं
वाचिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम
के संयोजक
डॉ संजय कुमार सिंह
निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय
शोध पीठ



अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुछ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुछ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।



अतिथि स्वागत



माननीय अतिथिगणों को अंगवस्त्र एवं फल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण



पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें : कुलपति



कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पण्डित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पण्डित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।





धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार



राष्ट्रगान



पंजीकरण-प्रपत्र

पं० दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक- 12 फरवरी, 2024

समय- आग्राह 01:00 बजे

नाम

पिता नाम

संस्था का नाम व पता

प्रोवाइज पत्र

उ-मेल

प्रोवाइज का प्रेषण

सह संस्थापकों के नाम (यदि कोई हो)

हस्ताक्षर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक- 12 फरवरी, 2024

समय- आग्राह 01:00 बजे

आयोजन स्थान

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
शांतिपुरम (सेक्टर-ए), प्रयागराज, प्रयागराज - 211021

सेवा में

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रोफेसर सीमा सिंह

भा. कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि एवं वक्ता

श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

पं० दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान पीठ

एच दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211021

पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान

दिनांक- 12 फरवरी, 2024

समय- आग्राह 01:00 बजे



संरक्षक

प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीय कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शांति पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

एच निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शांति पीठ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन स्थान

तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एच दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

सेक्टर -एच, शांतिपुरम, प्रयागराज, प्रयागराज

www.uprtou.ac.in

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 10 के द्वारा सन् 1999 में हुई। विगत 25 वर्षों से विश्वविद्यालय अन्तर्गत रूप से समाज के शिक्षा से वंचित जनसमुदाय, महिलाओं, सेवारत व्यक्तियों तथा दूरदराज क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा की उच्चोत्ति का प्रकाश पहुँचाकर आम जनमानस में आशा एवं नवोत्साह का संचार कर रहा है। छात्र जहाँ, हम वहाँ, सबको शिक्षा सबको ज्ञान, सबका साथ सबका विकास, गुरुकुल से छात्र कुल के मंत्र को अपनी कार्यशैली में आत्मसात करते हुए उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय अपने 124 शैक्षणिक कार्यक्रमों, 1400 से अधिक अध्ययन केंद्र तथा 12 क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का प्रदेशव्यापी प्रचार-प्रसार में अन्तर्गत प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रदेश व्यापी विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक गतिविधियों, कार्यक्रमों के सुगमतापूर्ण संचालन हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती प्रांगण की स्थापना की गई है। डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है अपने स्थापना काल से ही प्राचीन भारतीय परंपराओं के साथ समसामयिक नवीनतम कला-कौशल कलेवर से आच्छादित गुणवत्तापरक, रोजगारपरक, आत्मनिर्भरता की ओर उन्मुख उच्च शिक्षा प्रदान करके ऐसी युवा शक्तियों का निर्माण परिष्कार सम्पन्न हेतु कृत संकल्पित है, जो भविष्य में विषमतामुक्त, धन्यमुक्त, भाई-भतीजावाद रहित, समता, ममता, समरसता युक्त प्रबुद्ध मानव समाज के प्रति दृढ़ समर्पित होकर एक नवीन शक्ति राष्ट्र का निर्माण करने में अपना श्रेष्ठतम समर्पण कर सके।

संगोष्ठी सह-व्याख्यान

आज प्राच्य जगत पश्चात्य जगत के मध्य में एक द्वैचारिक द्वन्द्व विद्यमान है विश्व के विकासशील राष्ट्र प्राच्य संस्कृति के अवयव भौतिकतावाद, पूँजीवाद, साम्यवाद के भेकड़जाल में कराहते हुए एक वैकल्पिक मार्ग की खोज में हैं जहाँ प्राच्य विचारधारा से पोषित समाज मुक्त हो ऐसा कौन सा पथ है? यह पथ किस मूल अवधारणा पर आधारित हो? समाज का द्वैचारिक ताना-बाना एवं संरचना किन सिद्धांतों पर आधारित हो जहाँ समता, ममता, समरसता सम्पूक्त मानवता युक्त समाज हो इसका एकमात्र विकल्प है तो वह भारतीय संस्कृति से उद्भूत एवं पं० दीन दयाल उपाध्याय जी द्वारा विकसित एकान्त मानववाद की विचार-धारा है। यही एकमात्र विचारधारा है जिस पर अग्रसर होकर "सर्वे भवन्तु सुखिनः" एवं "वसुधैव कुटुम्बकम्" का लक्ष्य प्राया जा सकता है। आज उद्गारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीकरण के युग में पं० दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा को आत्मसात किए बिना मानव कल्याण की कल्पना कोरी है। पं० दीन दयाल उपाध्याय जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने विकेंद्रीकरण का विकल्प, अंत्योदय और अश्रायाम की संकल्पना

दिया। आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अनुकरण न केवल समुन्नत राष्ट्र एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर शान्ति एवं विकास का पथ भी प्रशस्त होगा। आज समस्त विश्व एकान्त मानववाद तथा मानवीय मूल्यों आप द्वारा स्थापित विचार पर ही अग्रसर हो रहा है।

अतः यह आवश्यक है कि भारतीय जनमानस को पं० दीन दयाल उपाध्याय जी के जीवन के विभिन्न बहुआयामों से पूर्णतः अवगत कराया जाए, जिससे उनके व्यक्तित्व की विशिष्टताओं तथा अद्वय साहस, निष्पक्षता एवं विपरीत परिस्थितियों में भी अभीष्ट समग्रता को प्राप्त करने की ऊर्जा तथा पुरुषार्थ से जन समुदाय प्रेरणा ले सके एवं अपने जीवन में भी उस को आत्मसात कर सके। यह शोध पीठ परम मुनीत उद्देश्य को लेकर राष्ट्र हित के विभिन्न आवश्यक उपादानों को अपना सहयोग देने का प्रयास करने हेतु कृत संकल्पित है। इसी मन्तव्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्थापित पं० दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के संयुक्त तत्वाधान में पूर्व दार्शनिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक चिन्तक पं० दीन दयाल उपाध्याय जी की पण्य तिथि दिनांक 11 फरवरी 2024 के अवसर के उपलक्ष्य में दिनांक 12 फरवरी, 2024 पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। उक्त कार्यक्रम का आयोजन उक्त तिथि पर अपराह्न 01:00 से किया जाएगा।

पंजीकरण व पंजीकरण सूचना

इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु पंजीकरण निःशुल्क है। समस्त प्रतिभागियों को पंजीकरण प्रारूप के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

आलेख/शोधपत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित मौलिक आलेख एवं शोध-पत्र आमन्त्रण की अंतिम तिथि 12 फरवरी 2024 है। हिन्दी में प्रपत्र के लिए Kurdev 010 फॉण्ट साइज 14, लाइन स्पेसिंग 1.5 तथा अंग्रेजी में प्रपत्र के लिए Times New Roman, फॉण्ट साइज 12, लाइन स्पेसिंग 1.5 में होना चाहिए। आलेख या शोध-पत्र अधिकतम 3000 शब्दों में होना चाहिए। गुणवत्ता की दृष्टि से चयनित आलेखों/शोध-पत्रों का प्रकाशन विश्वविद्यालय द्वारा ISBN सहित प्रोसीडिंग के रूप में किया जायेगा। आलेख/शोध पत्र ई-मेल के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। प्रपत्र प्रेषित करने हेतु ई-मेल pdduspuprtou@gmail.com है।

सम्पर्क सूत्र

संगोष्ठी सह-व्याख्यान से सम्बन्धित जानकारी हेतु ई-मेल: pdduspuprtou@gmail.com पर अथवा डॉ. संजय कुमार सिंह (मो.नं.-7525048007) डॉ. दिनेश सिंह (7525048013) पर सम्पर्क किया जा सकता है।

आयोजन स्थल

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान से सम्बन्धित कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के शैक्षणिक भवन में अवस्थित तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित होगा।

सलाहकार समिति

1. प्रो० पी० पी० दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
2. प्रो० आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा
3. प्रो० सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा
4. प्रो० पी० के० स्टॉलिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा
5. प्रो० सन्तोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा
6. कर्नल विनय कुमार, कुल सचिव
7. श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक
8. श्री शशिभूषण सिंह तामर, वित्त अधिकारी

आयोजन समिति

- | | |
|----------------------------|-----------------------------|
| • प्रा. पी.के. पाण्डेय | • डॉ. सुरेंद्र कुमार |
| • प्रो. रुचिवाजपेयी | • डॉ० अधिषेक सिंह |
| • प्रो. विनोद कुमार गुप्त | • डॉ० शिवेन्द्र प्रताप सिंह |
| • डॉ. रामजनम मौर्चा | • डॉ० रवीन्द्र प्रताप सिंह |
| • प्रो. श्रुति | • डॉ. सुभाष पाल |
| • प्रो. जे.पी. यादव | • डॉ० धर्मवीर सिंह |
| • प्रो. अजेन्द्र मलिक | • डॉ० दिनेश कुमार गुप्ता |
| • डॉ. मीरा पाल | • डॉ० दीप शिखा श्रीवास्तव |
| • डॉ० आनन्दा नन्द त्रिपाठी | • श्री अपित कुमार सिंह |
| • डॉ. जान प्रकाश यादव | • डॉ० यू०एन० तिवारी |
| • डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी | • श्री परविन्द कुमार वर्मा |
| • डॉ. जी.के. द्विवेदी | • डॉ० रिमता अग्रवाल |
| • डॉ. सतीश चन्द्र जैसल | • डॉ० अब्दुल रहमान |
| • डॉ. सुनील कुमार | • श्री राजेश गौतम |
| • डॉ० त्रिविक्रम तिवारी | • डॉ० अमरेंद्र यादव |
| • डॉ० साधना श्रीवास्तव | • डॉ० सुषमा चौहान |
| • डॉ. मनोज कुमार बलवन्त | • श्री राजेश सिंह |
| • डॉ० सी०के० सिंह | |

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज

संस्तर - एफ, शान्तिपुरा, फाफाचक, प्रयागराज
www.puprtou.ac.in

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन समारोह



राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह व्याख्यान

12 फरवरी, 2024



॥ सत्यमेव जयते ॥



प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रो./डॉ./श्री./श्रीमती/कु.

..... ने पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
के तत्वावधान में पं. दीनदयाल उपाध्याय पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में दिनांक 12 फरवरी, 2024 को पं. दीनदयाल उपाध्याय
का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोज्जयन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान में प्रतिभाग किया।

डॉ. संजय सिंह

निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

संयोजक

प्रमाण-पत्र क्रमांक :

डॉ. दिनेश सिंह

उप-निदेशक, पं० दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

आयोजन सचिव



उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में

पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान

विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन

दिनांक - 12 फरवरी, 2024

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

उप निदेशक

पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

संयोजक

डॉ. संजय कुमार सिंह

निदेशक

पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ

मुख्य अतिथि एवं चक्ता

श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

संरक्षक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रोफेसर सीमा सिंह

मा. कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक - पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में



स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन



॥ सरस्वती नः सुधगा मयस्करत् ॥

**पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस
के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान**



परम श्रद्धेय श्री आशीष भैया जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

सुस्वागत्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



स्वाध्याय, स्वमंथन, स्वावलम्बन



**पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस
के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान**



प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सुस्वागतम्

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज











ज.प्र. साहस्र धर्म नृपत विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में

पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम

विषय - ११ मार्च, २०२४

अध्यक्ष श्री. विनोद सिंह अध्यक्ष Aardhya Prem Seva Mission	मुख्य अतिथि श्री. अशोक कुमार सिंह मुख्य अतिथि Aardhya Prem Seva Mission	मुख्य अतिथि श्री. अशोक कुमार सिंह मुख्य अतिथि Aardhya Prem Seva Mission	मुख्य अतिथि श्री. अशोक कुमार सिंह मुख्य अतिथि Aardhya Prem Seva Mission
--	---	---	---

आचार्य श्री. विनोद सिंह, अध्यक्ष, अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष, अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष

GLOBUS

श्री. अशोक कुमार सिंह

मुख्य अतिथि

श्री. अशोक कुमार सिंह

मुख्य अतिथि

श्री. अशोक कुमार सिंह

मुख्य अतिथि



GPS Map Camera

Korsand, Uttar Pradesh, India

GVQ2+WVJ, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India

Lat 25.538111°

Long 81.852824°

12/02/24 01:10 PM GMT +05:30



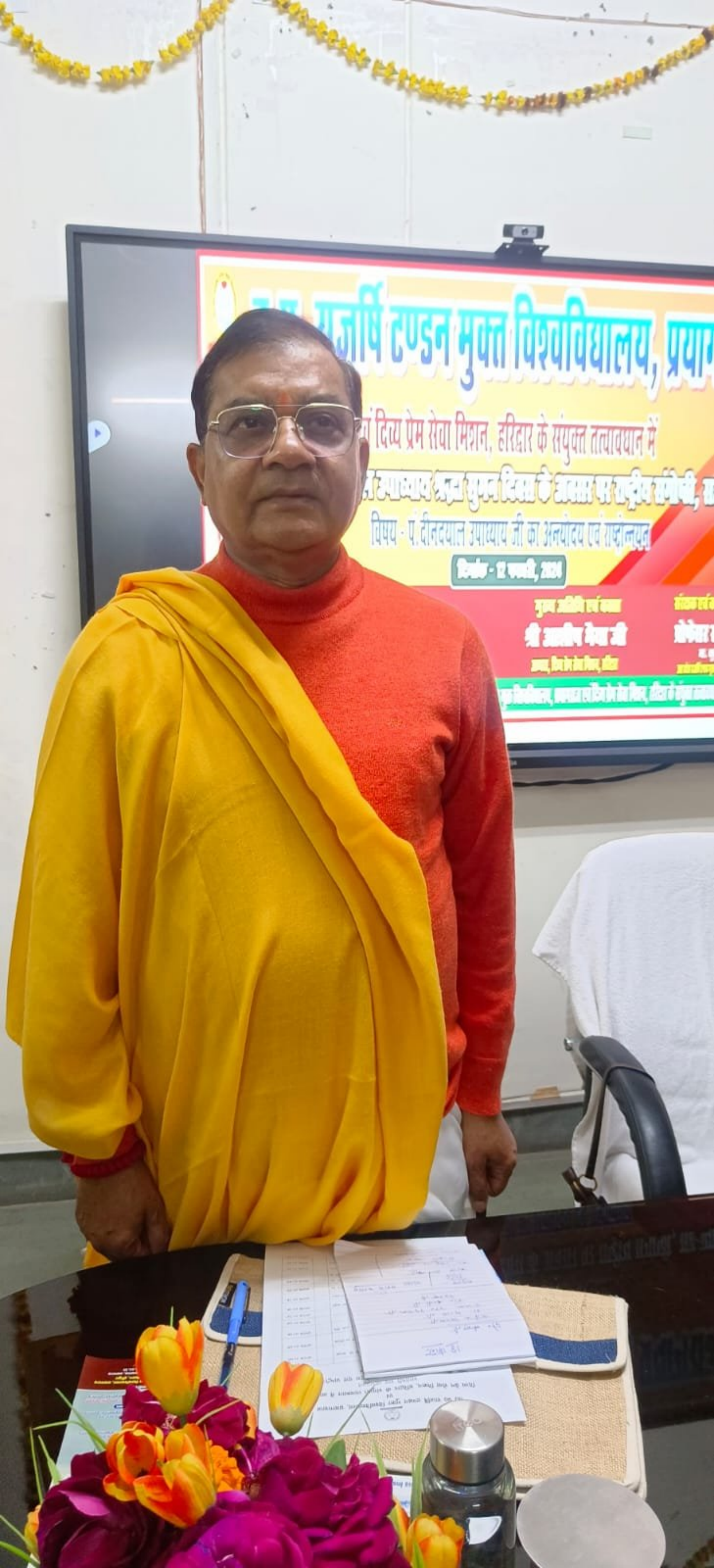


A photograph showing three individuals seated at a long table during a formal meeting. On the left, a man in a red shirt and yellow shawl is looking down at papers. In the center, a woman in a maroon jacket is looking towards the camera. On the right, a man in a brown jacket is looking down. The table is decorated with two large bouquets of red and yellow flowers. Nameplates are visible on the table, and a power outlet is on the wall to the left.









राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयाग

दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
श्री दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राधोन्नयन
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राधोन्नयन

दिनांक - 12 अप्रैल, 2024

मुख्य अतिथि एवं वक्ता

श्री आशीष मेहता जी

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

सह-अध्यक्ष

श्री प्रोफेसर

अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

मुख्य अतिथि एवं वक्ता, श्री आशीष मेहता जी, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार





एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वा
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा समन दिवस के अवसर पर
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अनयोदय एवं राष्ट्र
दिनांक - 12 फरवरी, 2024

संयोजक
श्री. कुमार सिंह

मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष भैया जी
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

आ. प्रवेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मि



GLOBUS

उ.प्र. राजर्षि लण्डन मुक्ता विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम रोवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्त्वधान में
प्रेमविद्यालय प्रयागराज प्रज्ञा पुस्तकालय के अखिल भारतीय संघर्ष, सह-कार्य
विषय - 'दिव्य प्रेम रोवा' की प्रस्तुति एवं वितरण

दिनांक - १२ फरवरी, २०२०

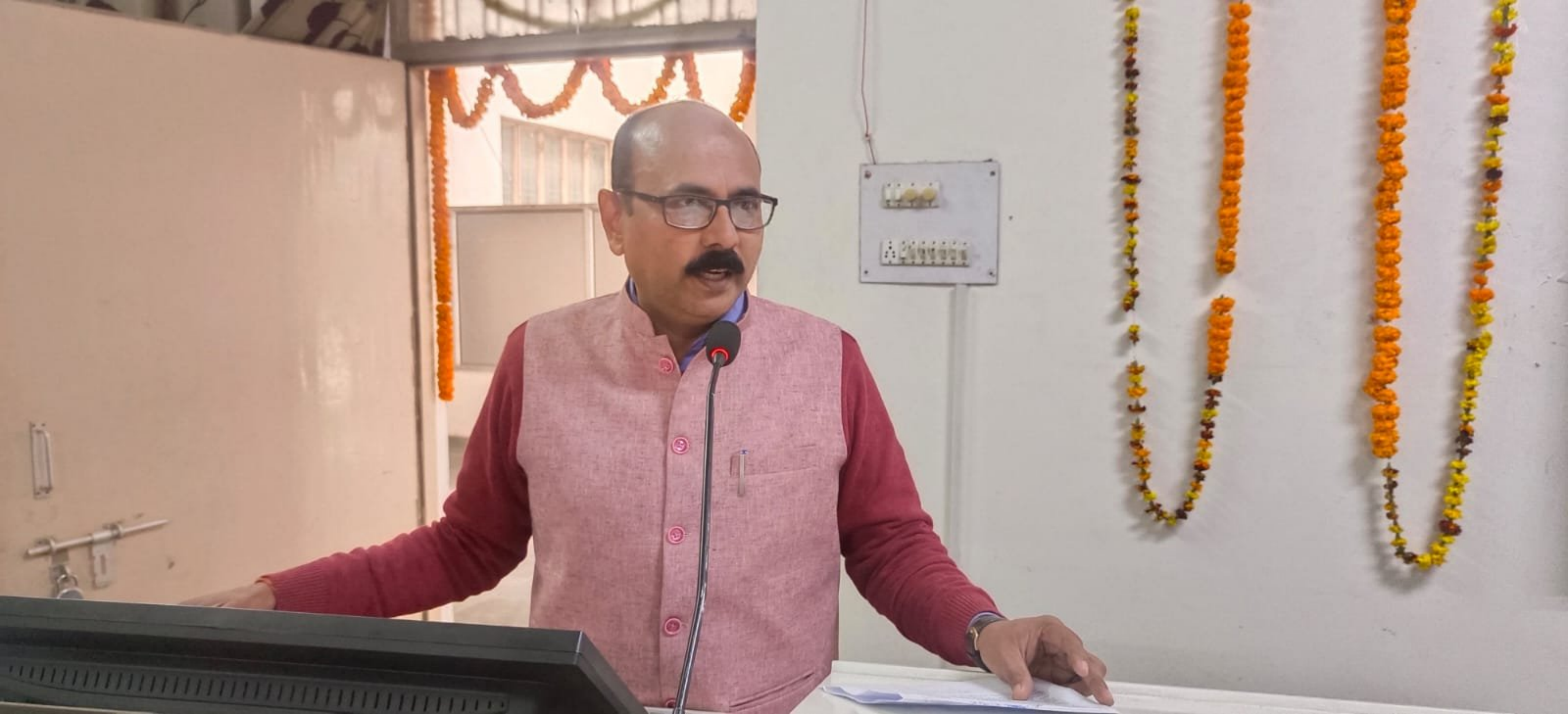
आयोजन समिति डॉ. विनोद शर्मा प्र. निदेशक प्रेमविद्यालय प्रयागराज	अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा निदेशक प्रेमविद्यालय प्रयागराज	मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री. आशीष मेवा जी प्र. निदेशक, प्रयागराज	सह-अध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा प्र. निदेशक, प्रयागराज
--	---	---	---

आयोजन - प्रयागराज प्रज्ञा पुस्तकालय, प्रयागराज के अखिल भारतीय संघर्ष, सह-कार्य









पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-कार्यक्रम
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अन्वोध एवं शोधोन्मेष
दिनांक - 12 फरवरी, 2024

आयोजन समिति डॉ. दिनेश सिंह उप निदेशक पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ	संयोजक डॉ. संजय कुमार सिंह निदेशक पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ	मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री आशीष भैया जी अध्यक्ष, दिव्य भवन सेवा मिशन, हरिद्वार	संवादक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष प्रोफेसर सीमा सिंह म. कुलकर्णी अध्यक्ष, राष्ट्रीय हिंदी अकादमी, दिल्ली
---	--	--	--

आयोजक - पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, आर. प्रदेश राजर्षि तृकल मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य भवन सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त आयोजन में









उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पंडितदयाल ग्याध्याय श्रद्धा भुजन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-चाराव्यान
विषय - पंडितदयाल ग्याध्याय जी का अन्त्योदय एवं आध्यात्मिक जीवन

दिनांक - १२ फरवरी, २०२४

अध्यक्ष डॉ. दिनेश सिंह उप निदेशक पंडितदयाल ग्याध्याय श्रद्धा भुजन	अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार सिंह निदेशक पंडितदयाल ग्याध्याय श्रद्धा भुजन	मुख्य अतिथि एवं बतला श्री आशीष मैथ्या जी अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार	संयोजक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष प्रोफेसर सीमा सिंह ए. कृष्णा अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार
--	--	---	---

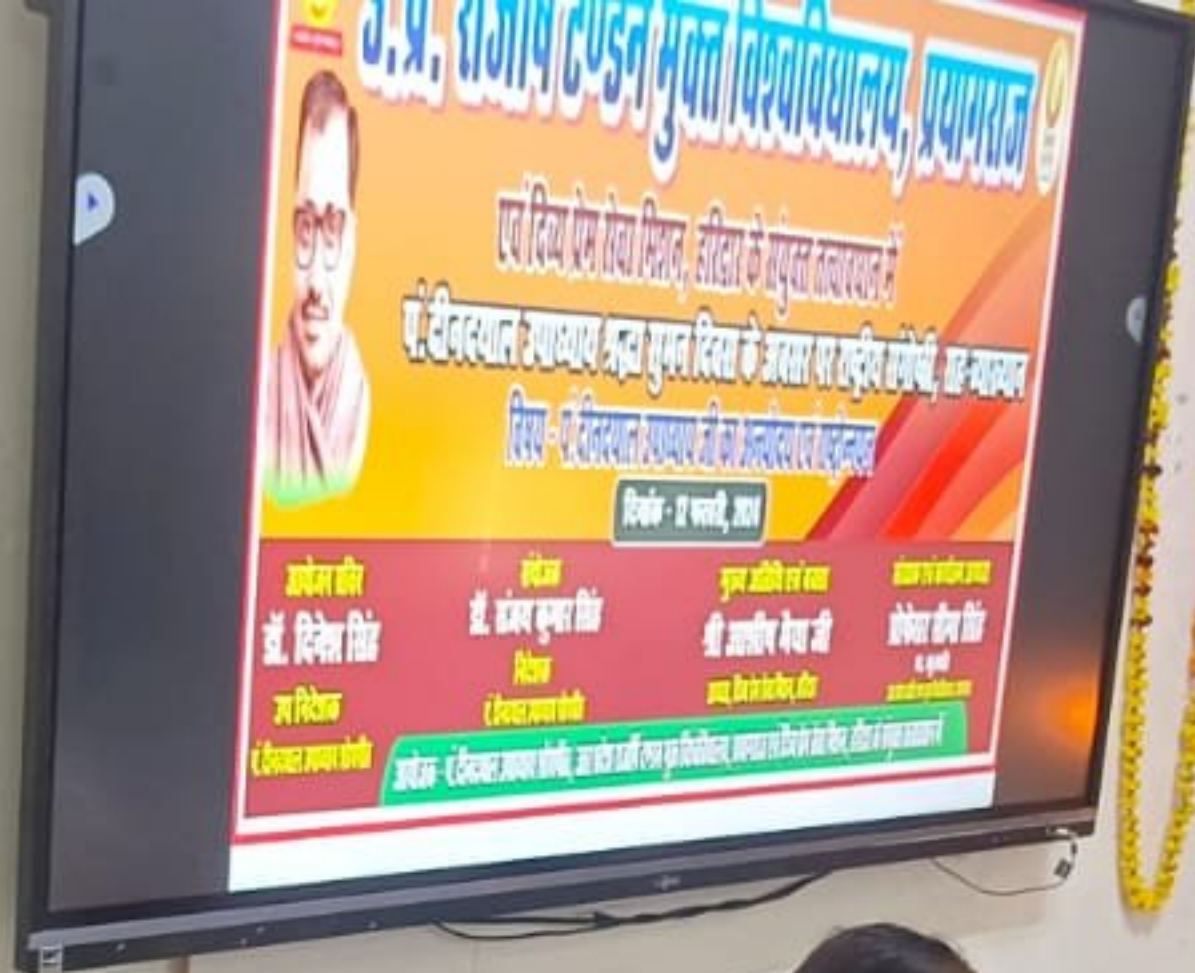
आयोजक - दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार। आचार्य दयाल ग्याध्याय जी का अन्त्योदय एवं आध्यात्मिक जीवन के विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-चाराव्यान में।

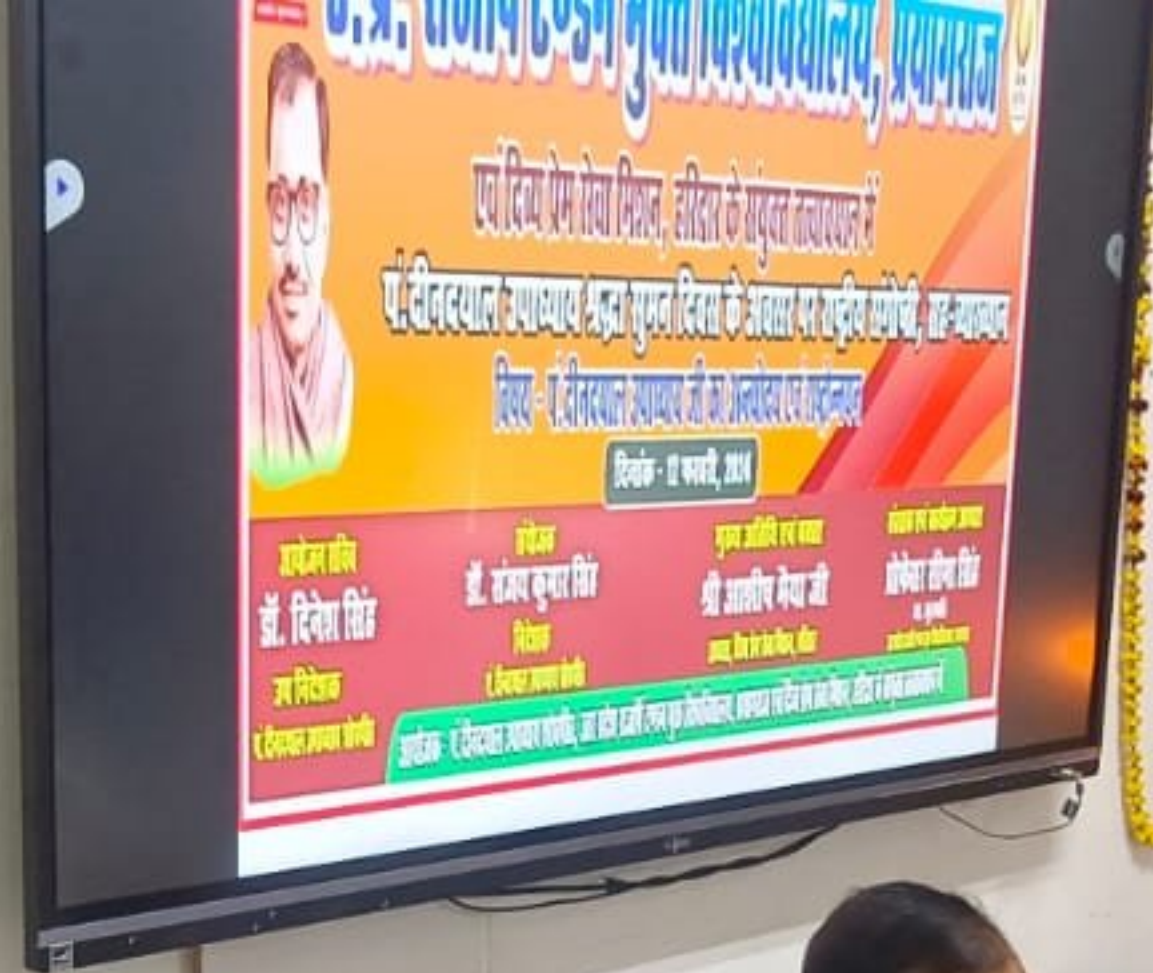


आ. निदेशक
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक
पंडितदयाल ग्याध्याय श्रद्धा भुजन

श्री आशीष मैथ्या जी
मुख्य अतिथि एवं बतला
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

प्रोफेसर सीमा सिंह
संयोजक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार















उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पंडित देवदास उपाध्याय श्रद्धा पुनर्न दिवा के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पंडित देवदास उपाध्याय जी का अनन्योदय एवं आधुनिकता
दिनांक - 12 नवम्बर, 2024

अध्यक्ष डॉ. दिनेश सिंह उप निदेशक ए. विभागाध्यक्ष	अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह निदेशक ए. विभागाध्यक्ष	मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री आशीष मेहता जी अध्य. विश्व हिन्दू परिषद, वीरार	संयोजक एवं कार्यक्रम प्रबन्धक प्रोफेसर सीमा सिंह ए. विभागाध्यक्ष
---	--	--	--

अध्यक्ष - देवदास उपाध्याय श्रद्धा, आशीष जी का अत्यंत आभार प्रकट करता हूँ। हमारा सारा प्रयत्न है कि हमें इस अवसर पर एक अच्छा कार्यक्रम चला सकें।

श्री आशीष मेहता जी
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
अध्य. विश्व हिन्दू परिषद, वीरार

प्रोफेसर सीमा सिंह
संयोजक एवं कार्यक्रम प्रबन्धक
ए. विभागाध्यक्ष

अनिल शिवम कुमार
अध्यक्ष
अध्य. विश्व हिन्दू परिषद, वीरार



3. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वावधालय, प्रयागराज



एवंदित्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. सीतदयाल उपाध्याय श्रद्धा भुजन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सह-व्याख्यान
विषय - पं. सीतदयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय एवं राष्ट्रोन्नयन

दिनांक - 12 फरवरी, 2024

अध्यक्ष
डॉ. दिनेश सिंह
उप निदेशक
पं. सीतदयाल उपाध्याय संस्था

संयोजक
डॉ. राजेश कुमार सिंह
निदेशक
पं. सीतदयाल उपाध्याय संस्था

मुख्य अतिथि एवं वक्ता
श्री आशीष मैथ्या जी
अध्यक्ष, रवि भवन मिशन, हरिद्वार

संयोजक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रोफेसर सीमा सिंह
एड. कुलपति
आर्य समाज प्रयागराज विश्वविद्यालय

आयोजक - पं. सीतदयाल उपाध्याय संस्था, आ. प्रेम राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में







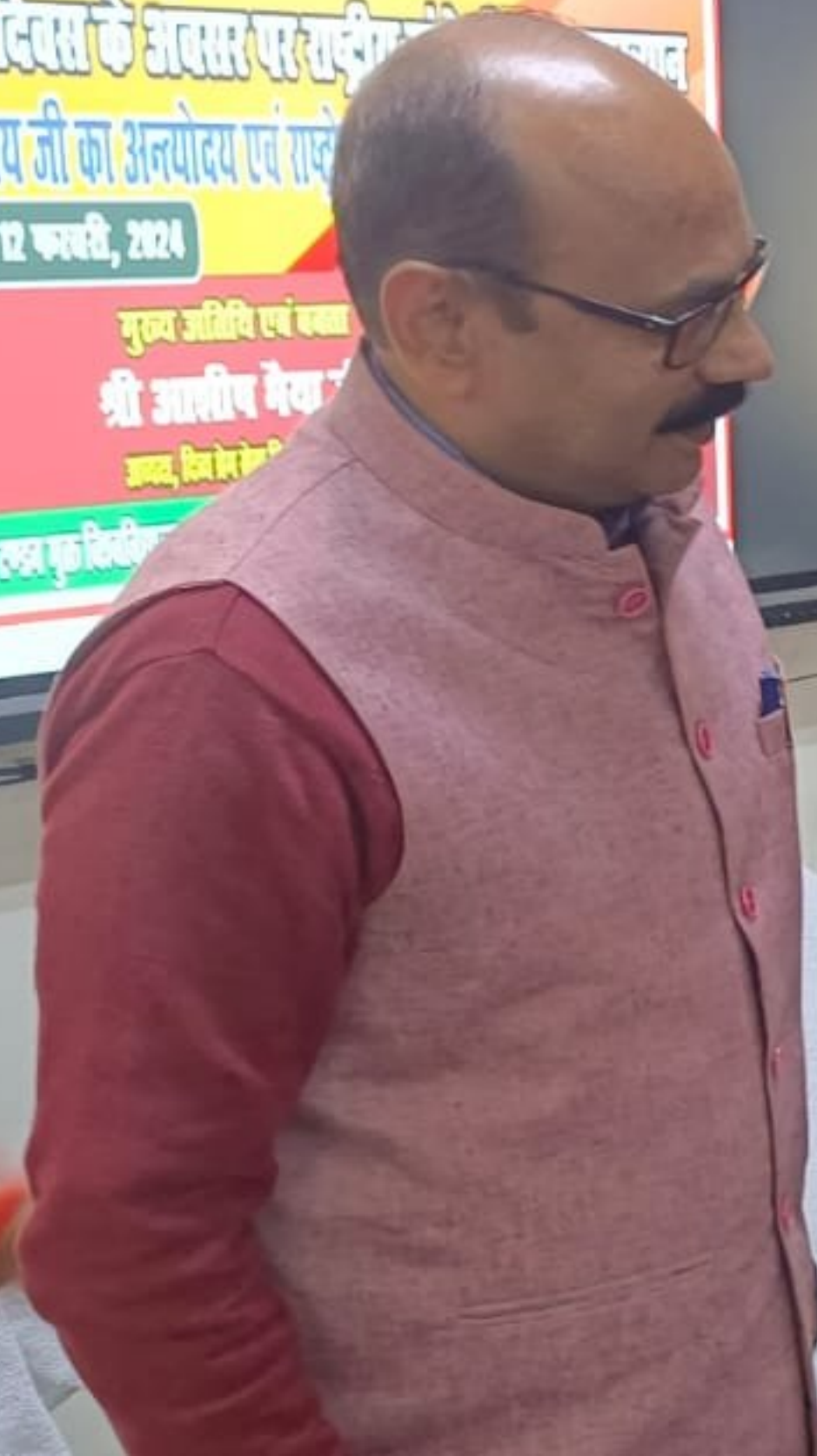


Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ2+WVJ, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538103°
Long 81.852822°
12/02/24 01:22 PM GMT +05:30





सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
श्रद्धा समन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय
नंददयाल उपाध्याय जी का अन्वोधय एवं राष्ट्रीय
दिनांक - 12 फरवरी, 2024
मुख्य अतिथि एवं बतला
श्री आशीष मेवा
अध्यक्ष, दिवस समिति



एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं दीनदयाल झाध्याय श्रद्धा पुनर्निर्माण के अन्तर्गत आयोजित समारोह, मन्दास
विषय - पं दीनदयाल झाध्याय जी का श्रद्धा पुनर्निर्माण
दिनांक - १२ फरवरी, २०२४
अध्यक्ष
श्री. संजय कुमार सिंह
विषय
पं दीनदयाल झाध्याय
अध्यक्ष - पं दीनदयाल झाध्याय जी, अखिल भारतीय पं दीनदयाल झाध्याय मंडल, मन्दास











उ.प्र. राजर्षि टण्डनमुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा समन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजकी, सह-भाषण
विषय - पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का श्रमोदय एवं योगदान

दिनांक - 11 फरवरी, 2018

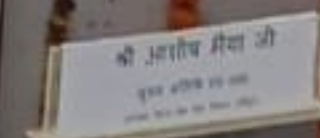
अध्यक्ष श्री डॉ. दिनेश सिंह उप निदेशक पं. दीनदयाल उपाध्याय कोष	उपेक्षक डॉ. संजय कुमार सिंह निदेशक पं. दीनदयाल उपाध्याय कोष	मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री आशीष मेहता जी अध्य. विश्व प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार	संस्कार एवं कार्यक्रम प्रमुख प्रोफेसर सीमा सिंह उ. प्र. विश्वविद्यालय, प्रयागराज
---	--	--	--

आयोजक - पं. दीनदयाल उपाध्याय कोष, ज्ञान भवन, उत्तरी लगेत, गुरु विद्यापीठ, प्रयागराज। संचालन: डॉ. सीमा सिंह, सीमा सिंह संस्कृत संस्थान।











एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दिव्यदास गणपतदास श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर, सह-आयोजन
विषय - पं. दिव्यदास गणपतदास जी का अत्यंत वैराग्यपूर्ण जीवन
दिनांक - 12 फरवरी, 2024

आयोजक श्री. दिव्यदास गणपतदास पं. दिव्यदास गणपतदास	सह-आयोजक श्री. दिव्यदास गणपतदास पं. दिव्यदास गणपतदास	मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री. जगदीश प्रसाद जी आचार्य, हरिद्वार, उत्तरांचल प्रदेश	संयोजक एवं सहायक आयोजक श्री. दिव्यदास गणपतदास पं. दिव्यदास गणपतदास
---	--	--	--

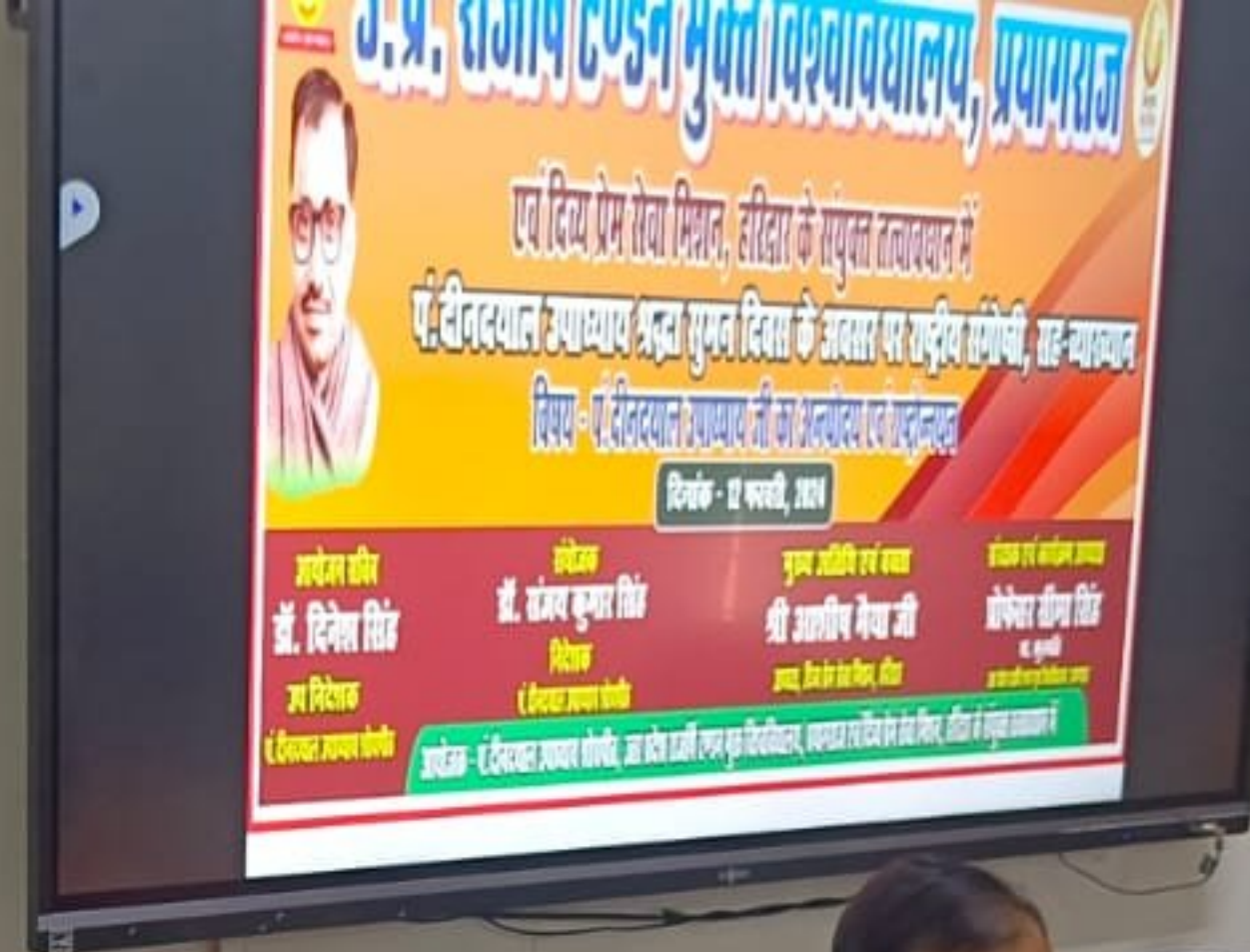
आयोजक - पं. दिव्यदास गणपतदास, आचार्य, हरिद्वार, उत्तरांचल प्रदेश, आचार्य, हरिद्वार, उत्तरांचल प्रदेश, आचार्य, हरिद्वार, उत्तरांचल प्रदेश















Korsand, Uttar Pradesh, India
GVQ2+WVJ, Korsand, Phaphamau, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.538108°
Long 81.852824°
12/02/24 01:58 PM GMT +05:30

GPS Map Camera





DVI 1
640x480@60Hz

IBUS

श्री आशीष श्रेया जी
मुख्य अतिथि एवं उद्घाटक
आशीष श्रेया जी

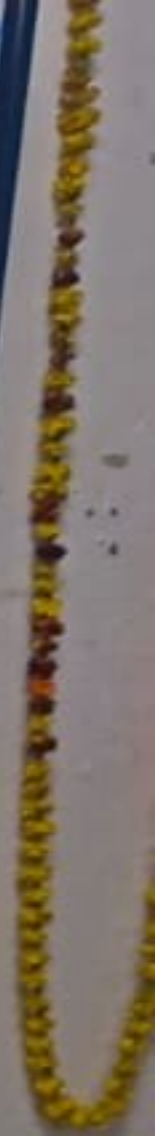
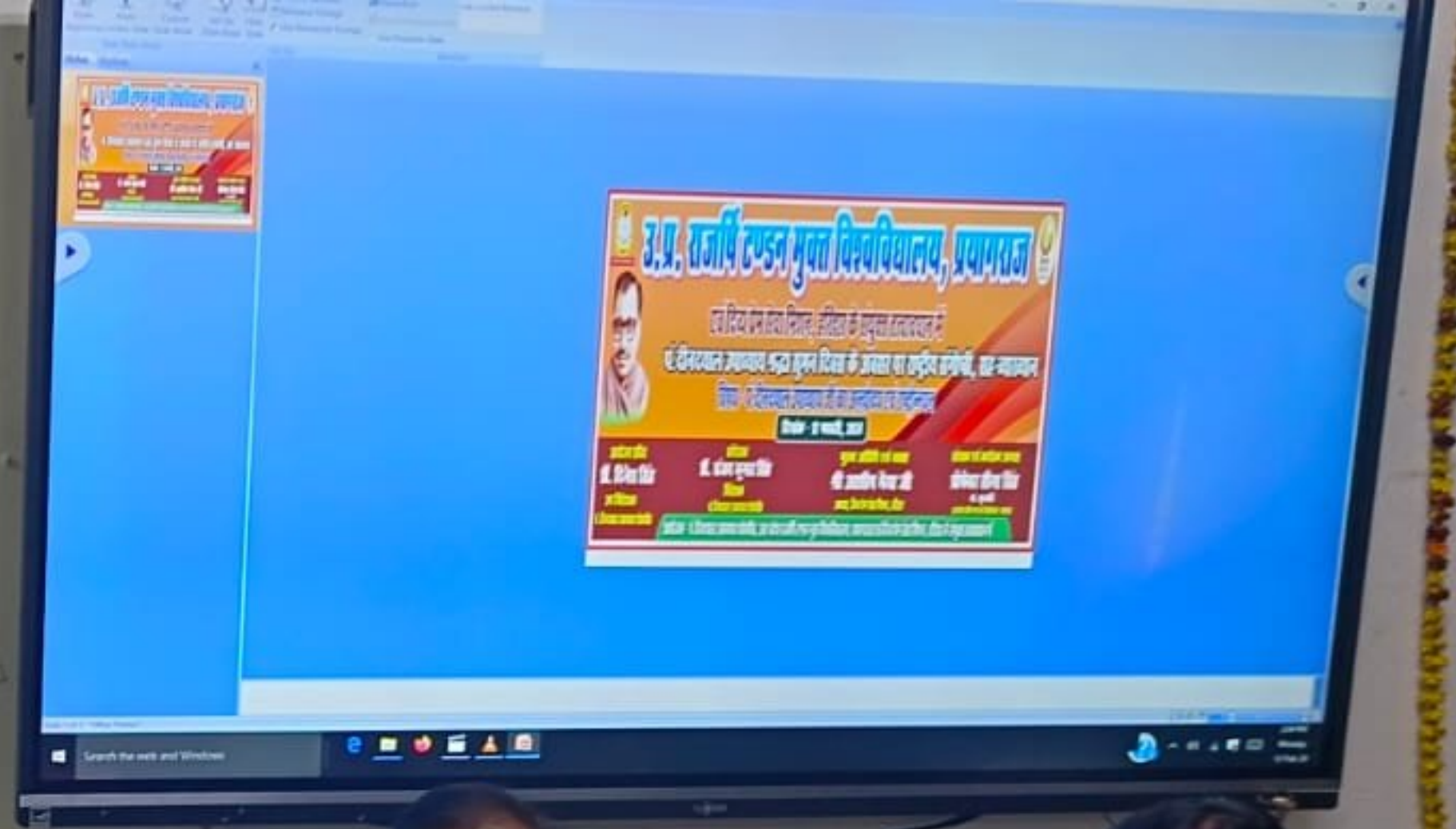
प्रोफेसर सीमा सिंह
मुख्य अतिथि एवं उद्घाटक
सीमा सिंह

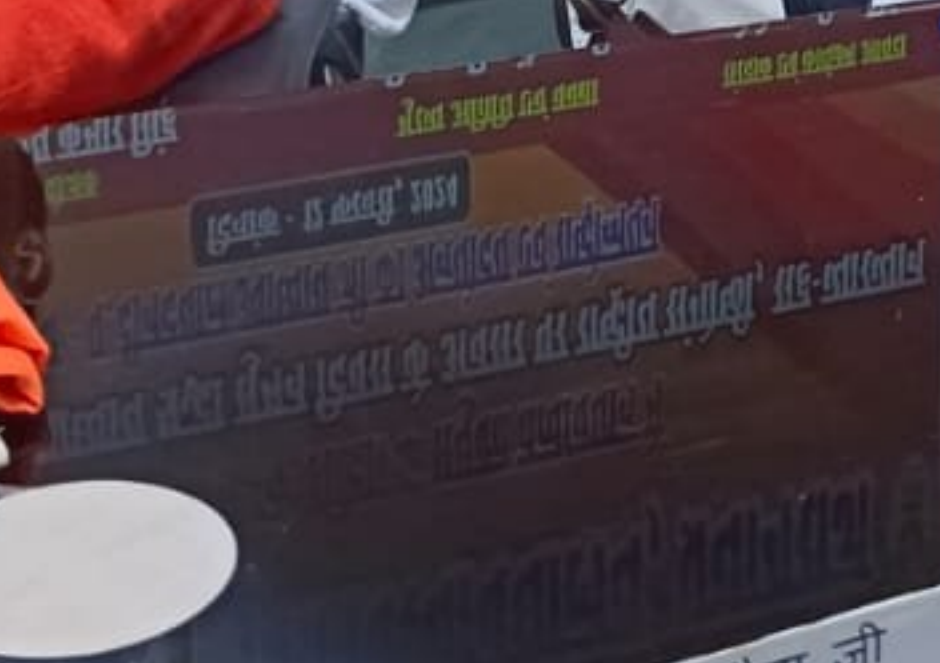
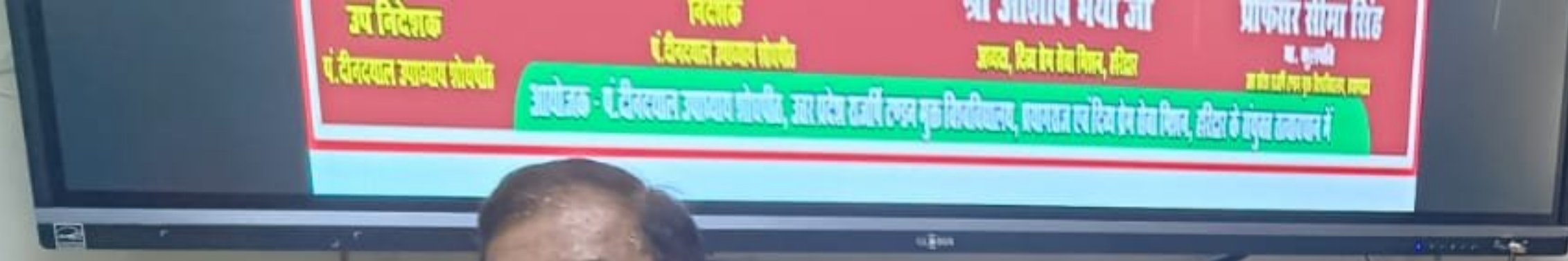






BUS















उ.प्र. समाधि टाउन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज



एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल व्याख्यात श्रद्धा पुनर्निर्माण के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर की, सह-व्याख्यान
विषय - पं. दीनदयाल व्याख्यात जी का अन्तर्बोध एवं अनुभव

दिनांक - 12 फरवरी, 2024

आयोजक श्री. दिनेश सिंह उप निदेशक पं. दीनदयाल व्याख्यात	संयोजक श्री. राजेश कुमार सिंह निदेशक पं. दीनदयाल व्याख्यात	मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री. जगदीप मेहता जी अध्य. विवेक विवेक, और	संयोजक एवं वक्ता प्रो. फेरार सीमा सिंह उ. प्र. आचार्य महाराज
---	---	--	---

आयोजक - पं. दीनदयाल व्याख्यात, जो अपने द्वारा 1000 से अधिक विद्वानों, विद्वानों से मिलने के लिए, और 10 से अधिक भाषाओं में



BUS

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में
पं. दीनदयाल अपाध्याय श्रद्धा भुजन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगीची, सह-न्यायवाचन
विषय - पं. दीनदयाल अपाध्याय जी का अनन्योदय एवं अशोकात्मक

दिनांक - 12 फरवरी, 2024

अध्यक्ष डॉ. दिनेश सिंह उप विरिक्त पं. दीनदयाल अपाध्याय	अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार सिंह विरिक्त पं. दीनदयाल अपाध्याय	मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री अशशीष मैया जी अध्य. रीत के रीत, रीत अध्यक्ष एवं विरिक्त	अध्यक्ष एवं वक्ता प्रोफेसर सीमा सिंह अध्यक्ष एवं विरिक्त
---	---	---	--

अध्यक्ष - पं. दीनदयाल अपाध्याय जी, आ शेष शशी तन्त्र रूप विरिक्त, अशरीर एवं रीत के रीत, रीत के रीत के रीत



श्री अशशीष मैया जी
मुख्य अतिथि एवं वक्ता
अध्यक्ष रीत के रीत, रीत

प्रोफेसर सीमा सिंह
अध्यक्ष एवं विरिक्त
अध्यक्ष एवं विरिक्त









Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day organized in University

CORRESPONDENT

Prayagraj: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Divya Prem Seva Mission, Haridwar, on the occasion of Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day, a national seminar-cum-lecture on Pandit Deendayal Upadhyay Ji's Antyodaya and Nation Upliftment was organized at the Open University on Monday. Held in Tilak Auditorium.

Chief guest and key speaker of the program, Dr. Ashish Gautam, President, Divya Prem Seva Mission, Haridwar said that the dream of Pandit Deendayal Upadhyay's Antyodaya will be realized only when the person sitting at the lowest and last position in the so-



ciety is respected. He told that Divya Prem Seva Mission has been working for the last 27 years with the aim of serving leprosy patients. Leprosy patients are on the last rung of the society.

Dr. Gautam said that there is physical, divine and physical heat in everyone's

life. Only people with skills can overcome this dilemma and contribute to the welfare of the society. Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay ji believed that man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the

brain. Because man wants acceptance of his existence. He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through respect, love, thoughts and God.

Presiding over the program, Vice Chancellor Professor Seema Singh said that Pandit Deen Dayal Upadhyay's Antyodaya and Integral Humanism should be implemented in our lives. Pandit Upadhyay always talked about promoting cottage industries. The present government is following the same and promoting

cottage industries for self-reliance. Professor Singh said that Pandit Deendayal loved simplicity. If we follow his ideals, this will be the true tribute to him.

Before this, Assistant Acharya Niket Singh presented the welcome song and program coordinator Dr. Sanjay Kumar Singh, Director Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair introduced the topic and welcomed the students. The program was conducted by Dr. Dinesh Kumar Singh, Organizing Secretary and Deputy Director, Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair and the vote of thanks was given by Colonel Vinay Kumar, Registrar.

The program started with Kulgeet and garlanding the statues of Maa Saraswati and Pandit Deendayal Upadhyay and lighting the lamp. It was concluded with the national anthem. Teachers, research students and students of the university were present on this occasion.

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : डॉ आशीष गौतम

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ आशीष गौतम ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धासुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर है। उन्होंने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए

विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित दीनदयाल ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलम्बन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवं वाचिक स्वागत किया। संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवं उप निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार कुलसचिव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा

अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

लक्ष्य समग्र

उत्तर प्रदेश - राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी

समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता



है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका

मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर

उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

मुविवि में पं० दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में

दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान

था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते



दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना

हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का

अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से अंत्योदय का सपना होगा साकार: डॉ. आशीष गौतम

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विवि के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ. आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुछ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुछ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ. गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते।



श्रद्धा सुमन दिवस

तिजारात

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में



दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : डॉ आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धासुमन दिवस का आयोजन

प्रयागराज, 12 फरवरी (हि.स.)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ आशीष गौतम ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धासुमन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर है।



उन्होंने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के

लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म

मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित दीनदयाल ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलम्बन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवं वाचिक स्वागत किया। संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवं उप निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार कुलसचिव ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

Antyodaya dream will come true by serving the person sitting at the last rank: Ashish Gautam

Staff Reporter

Prayagraj: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Divya Prem Seva Mission,

realized only when the person sitting at the last position in the society is valued. He said that Divya Prem Seva Mission has been working for the last 27 years

program, Open University Vice Chancellor Prof. Seema Singh said that Pt. Deen Dayal Upadhyay's Antyodaya and Integral Humanism should be implemented in our lives. Pt. Upadhyay always talked about promoting cottage industries. The present government is following the same and promoting cottage industries for self-reliance. Prof. Singh said that Pt. Deendayal loved simplicity. Following his ideals will be the true tribute to him, she added.



Haridwar, on the occasion of 'Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day', a national seminar-cum-lecture on 'Pandit Deendayal Upadhyay Antyodaya and Nation Upliftment' was organized at the Open University on Monday.

Chief guest and key speaker of the program, Dr. Ashish Gautam, President, Divya Prem Seva Mission, Haridwar said that the dream of Pandit Deendayal Upadhyay Antyodaya will be

with the aim of serving leprosy patients. Leprosy patients are on the last rung of the society.

Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay believed that man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the brain because man wants acceptance of his existence. He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through respect, love, thoughts and God. Presiding over the

Assistant Acharya Niket Singh presented the welcome song and program coordinator Dr. Sanjay Kumar Singh, Director Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair introduced the topic and welcomed the students. The program was conducted by Dr. Dinesh Kumar Singh, Organizing Secretary and Deputy Director, Pandit Deendayal Upadhyaya Research Chair and the vote of thanks was proposed by Colonel Vinay Kumar, Registrar.

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस आयोजित

स्वतंत्र भारत व्यूरो प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त
विश्वविद्यालय एवं दिव्य प्रेम सेवा
मिशन, हरिद्वार के संयुक्त
तत्वावधान में पंडित दीनदयाल
उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के
अवसर पर पंडित
दीनदयाल
उपाध्याय का
अंत्योदय एवं राष्ट्र
उनन्यन विषयक
राष्ट्रीय संगोष्ठी
सह- व्याख्यान
का आयोजन

सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के
तिलक सभागार में आयोजित किया
गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं
मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम,
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, ने
कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय
के अंत्योदय का सपना तभी साकार
होगा जब समाज में सबसे निचले
एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति

का सम्मान होगा। कुलपति प्रोफेसर
सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन
दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं
एकात्म मानववाद को अपने जीवन
में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा
कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की



भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी
का अनुसरण कर रही है और
स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों
को बढ़ावा दे रही है। कार्यक्रम का
संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह,
आयोजन सचिव एवम उप निदेशक,
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ
ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय
कुमार, कुलसचिव ने किया।

Antyodaya's dream will come true by serving the person sitting at the last rank: Ashish Gautam

Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day organized in University

JE CORRESPONDENT

PRAYAGRAJ: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Divya Prem Seva Mission, Haridwar, on the occasion of Pandit Deendayal Upadhyay Shraddha Suman Day, a national seminar-cum-lecture on Pandit Deendayal Upadhyay Ji's Antyodaya and Nation Upliftment was organized at the Open University on Monday. Held in Tilak Auditorium.

Chief guest and key speaker of the program, Dr. Ashish Gautam, President, Divya Prem Seva Mission, Haridwar said that the dream of Pandit Deendayal Upadhyay's Antyodaya will be realized only when the person sitting at the lowest and last position in the society is respected. He told that Divya Prem Seva Mission has been working for the last 27 years with the aim of serving leprosy patients. Leprosy patients are on the last rung of the society.

Dr. Gautam said that there is physical, divine and physical heat in everyone's life. Only people with skills can overcome this dilemma and contribute to the welfare of the society. Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay ji believed that

man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the brain. Because man wants acceptance of his existence. He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through

respect, love, thoughts and God.

Dr. Gautam said that there is physical, divine and physical heat in everyone's life. Only people with skills can overcome this dilemma and contribute to the welfare of the society. Dr. Gautam said that Pandit Upadhyay ji believed that man is beyond the physical being. He needs food for the stomach, love for the heart and thoughts for the brain. Because man wants acceptance of his existence.

He believed that perfection of body, mind, intellect and soul would come through respect, love, thoughts and God.

Presiding over the program, Vice Chancellor Professor Seema Singh said that Pandit Deen Dayal

and program coordinator Dr. Sanjay Kumar Singh, Director Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair introduced the topic and welcomed the students. The program was conducted by Dr. Dinesh Kumar Singh, Organizing



Upadhyay's Antyodaya and Integral Humanism should be implemented in our lives. Pandit Upadhyay always talked about promoting cottage industries. The present government is following the same and promoting cottage industries for self-reliance. Professor Singh said that Pandit Deendayal loved simplicity. If we follow his ideals, this will be the true tribute to him.

Before this, Assistant Acharya Niket Singh presented the welcome song

Secretary and Deputy Director, Pandit Deendayal Upadhyay Research Chair and the vote of thanks was given by Colonel Vinay Kumar, Registrar.

The program started with Kulgeet and garlanding the statues of Maa Saraswati and Pandit Deendayal Upadhyay and lighting the lamp. It was concluded with the national anthem. Teachers, research students and students of the university were present on this occasion.

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

अमृत प्रभात, प्रयागराज (नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा। जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ. गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ. गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे हैं। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रो. सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया।



अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था



कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने

स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम की

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार – आशीष गौतम

प्रयागराज ।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 12 फरवरी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष , दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा



कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार : आशीष गौतम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के

अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका

मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों

को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।



अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान



होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य ही इस त्रिताप को दूर करके कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के

मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी

पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

उजाला शिखर संवाददाता प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उनन्यन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं।

डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर



पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी।

उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्श पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन



प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित

दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है।

इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा सपना साकार

प्रयागराज । अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को तिलक सभागार में आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ. आशीष गौतम ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा । उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है । उन्होंने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है । हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें । प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे । इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया । समापन राष्ट्रगान से किया गया ।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष

○ मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह-व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन,



हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस

त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है।

अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की सेवा से होगा अंत्योदय का सपना साकार: आशीष गौतम मुविवि में पं० दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस का आयोजन



पावन प्रयाग संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रद्धा सुमन दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं राष्ट्र उन्नयन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी सह- व्याख्यान का आयोजन सोमवार को मुक्त विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम मुख्य वक्ता डॉ आशीष गौतम, अध्यक्ष

दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का सपना तभी साकार होगा जब समाज में सबसे निचले एवं अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का सम्मान होगा। उन्होंने बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन विगत 27 वर्षों से कुष्ठ रोगियों की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अंतिम पायदान पर हैं। डॉ गौतम ने कहा कि सभी के जीवन में दैहिक, दैविक और भौतिक ताप होता है। हुनर युक्त लोग ही इस त्रिताप को दूर करके समाज की भलाई में अपना

योगदान दे सकते हैं। डॉ गौतम ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी मानते थे कि मनुष्य भौतिक प्राणी से परे है। उसे पेट के लिए आहार, हृदय के लिए प्यार और मस्तिष्क के लिए विचार चाहिए। क्योंकि मनुष्य अपने होने की स्वीकृति चाहता है। उनका मानना था कि शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा की पूर्णता सम्मान, प्रेम, विचार और परमात्मा से होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद को अपने

जीवन में उतारें। पंडित उपाध्याय ने हमेशा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की भी बात कही। वर्तमान सरकार उसी का अनुसरण कर रही है और स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल अत्यंत सादगी पसंद थे। उनके आदर्शों पर हम चलें, यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके पूर्व सहायक आचार्य निकेत सिंह ने स्वागत गीत तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह, निदेशक पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने

विषय प्रवर्तन एवम वाचिक स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आयोजन सचिव एवम उप निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत तथा मां सरस्वती एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोध छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।